मिंडा समूह ने किया जर्मन कंपनी एक्सिस का अधिग्रहण

वाणिज्य संवाददाता

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जे बनाने वाले अशोक मिंडा समूह ने कोएंजन स्थित जर्मनी की वाहन-कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी एक्सिस का पूर्णत: अधिग्रहण किया है। एक्सिस की मोल्डिंग के काम में विशेषज्ञता है और वह डेमलर, वाक्सवैगन समूह, रेनॉ, पीएसए, जीएम जैसे दिग्गज वाहन निर्माताओं को कल पुर्जो की आपूर्ति करती है। समूह के अध्यक्ष अशोक मिंडा ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक्सिस के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने की घोषणा करते हुए कहा,9 हमने एक्सिस का सौ फीसद अधिग्रहण किया है और उसका नाम मिंडा शैक प्लास्टिक सोल्युशंस हो गया है। मिंडा समूह ने जर्मनी में यह चौथी और यूरोप में छठीं फर्म खरीदी है अशोक मिंडा ने कहा, " एक्सिस कोएंजन का अधिग्रहण ग्लोबल आटो कंपोनेंट उद्योग में अपनी स्थिति को मजबूत करने और महत्वपूर्ण कंपनी के तौर पर साख बनाने की हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। एक्सिस की तकनीकी श्रे"ता और मिंडा की प्रबंधन दक्षता तथा यूरोप एवं भारत की मौजूदगी की बदौलत यूरोप समेत दुनिया भर के ग्राहक लाभांन्वित होंगे। इससे यूरोपीय बाजारों में भी हमारी स्थिति मजबूत होगी। एक्सिस के संयंत्र में 200 लोग काम करते हैं और उसका सालाना कारोबार 4 करोड यूरा यानी करीब 240 करोड रुपए है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में बढ़ते हुये हम दुनिया के अन्य भागों में कई महत्वपूर्ण अवसरों पर भी अपनी निगाह जमाये हुये हैं। अशोक मिंडा समूह ने 2010-11 में 2500 करोड रुपये :करीब 55 करोड ड़ालर: का कारोबार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। समूह की योजना वित्तवर्ष 2013-14 के अंत तक करीब 6,000 करोड रुपये :1. 3 अरब डालर: का राजस्व कमाने की योजना बनाई है।